an>

Title: Need to provide free treatment to AIDS patients in the country.

डॉ. किरिट पी. सोलंकी (अहमदाबाद) ◌ः हमारे देश में एच.आई.वी. एड्स के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसके संदर्भ में मैं पहले भी एच.आई.वी. एड्स बिल लोक सभा में पेश कर चुका है। एच.आई.वी. अर्थात् ह्यूमन इम्युनोडिफिसियेंसी वायरस एक विÂ◌ा◌णु है जो शरीर के इम्युन सिस्टम पर नकारात्मक प्रभाव डालता है और व्यक्ति के शरीर में उसकी प्रतिरोधक क्षमता को दिनोंदिन कमजोर कर देता है। भारत की बात करें तो यहां एड्स के मामले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। यहां सबसे ज्यादा एच.आई.वी. एड्स के केस 1 लाख 31 हज़ार 87 महाराÂट्र में दर्ज हुए हैं। वहीं दूसरे नम्बर पर आंध्र प्रदेश है। अगर पिछले वÂ◌ा◌ा◌ें से तुलना करें तो ये संख्या लगातार बढ़ रही है। देश में वÂ◌ाऩ 2009-10 में यह 2 लाख 46 हज़ार 627 थी जबकि यह संख्या 2010-11 में बढ़कर 3 लाख 20 हज़ार 114 हो गई थी। इस साल अप्रैल से लेकर दिसम्बर तक 2 लाख 75 हज़ार 377 केस और आ चुके हैं। सही तरीके से देखभाल न करने के कारण यह बीमारी गंभीर रूप धारण कर लेती है। इसमें प्रथम और दूसरे चरण में मरीजों को ज्ञात ही नहीं हो पाता क्योंकि शरीर बाहर से तो काम करता है परंतु अंदर से कमजोर होता जाता है। जब तक मरीज को पता चलता है तब तक काफी देर हो चुकी होती है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि एड्स के प्रथम और दूसरे चरण के मरीजों के इलाज के लिए मुफ्त व्यवस्था की जाए और साथ ही साथ ऐसे उपाय किये जाएं जिससे एड्स की आरंभिक अवस्था में उसका पता चल सके और ऐसे मरीजों का मुफ्त इलाज करके उनको बचाया जा सके।